महिलाओं ने दिखाया सशक्तिकरण के लिए दमखम

- कामयाबी की प्रेरक कहानियां साझा की, रैली निकाली
- महिला दिवस पर हिंदुस्तान पावर का आयोजन

जैतहरी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हिंदुस्तान पावर सीएसआर शाखा की ओर से आयोजित समारोह में महिलाओं ने उत्साह के साथ अपने आर्थिक-सामाजिक सशक्तिकरण के लिए दमखम दिखाया। महिला प्रतिभाओं की गहरी छाप वाले इस समारोह में सीएसआर टीम की पहल पर गठित महिला स्व-सहायता समूहों ने अपनी कामयाबी की प्रेरक कहानियां साझा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ एक रैली से हुआ, जिसमें महिलाओं की जोरदार भागीदारी रही। यह रैली जैतहरी सिद्ध बाबा पहाड़ी से टकहुली तक निकली। इस रैली में संदेश बैनरों से लैस महिलाओं ने सशक्तिकरण और विकास के लिए एकजुटता का परिचय दिया।

जैतहरी। कार्यक्रम के दौरान रस्सा-कशी स्पर्धा में भाग लेती महिलाएं।

महिला सशक्तिकरण के लिए निकाली रैली।

महिलाओं ने ली शपथ

एक कदम प्रगति का, एक कदम स्वाबलंबन के थीम पर आधारित कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों की सैकड़ों सदस्यों ने भाग लिया। टकहुली में कार्यक्रम स्थल पर महिला सशक्तिकरण का ध्वज फहराये जाने के बाद महिलाओं ने सशक्तिकरण की शपथ ली। इस अवसर पर 38 गांवों के 50 स्व-सहायता समूहों की महिला सदस्यों की भारी मौजूदगी में विशिष्ट अतिथि की हैसियत से हिंदुस्तान पॉवर सीएसआर प्रमुख रानू कुलश्रेष्ठ ने कहा कोई भी समाज महिलाओं के समुचित उत्थान के बगैर विकसित नहीं हो सकता।

इस प्रकार मिल रहा लाभ

महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी गहरी छाप छोड़ने की क्षमता रखती हैं, बस उन्हें अवसर और संसाधन की जरूरत है। कंपनी के स्थानीय सीएसआर प्रमुख आशीष आनंद ने समूहों की कामयाबी की चर्चा करते हुए कहा कि अभी तक ये समूह 18 लाख रुपए से अधिक का लेन-देन कर चुके हैं। समूह की महिलाओं को दो प्रतिशत ब्याज पर छोटे-मोटे कर्ज की सहूलियत मिलने से जरूरतें पूरी करना आसान हो गया है।

महिला प्रतिभाएं पुरस्कृत

कार्यक्रम में महिलाओं ने गीत-संगीत, खेल और नाट्य में अपनी प्रतिभाओं का भी परिचय दिया। महिला-पुरूष भेदभाव, लैंगिक पूर्वाग्रह, पुरूष वर्चस्ववादी सोच के खिलाफ संदेश देने वाले नुक्कड़ नाटकों को खूब सराहना मिली। इनके किरदार स्थानीय महिला और पुरूष ही बने। कई स्व-सहायता समूहों, महिला प्रतिभाओं को उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।